

ST का कुछ मुख्य उदाहरण :-

- ① वर्षा की बूँद का गोलाकार होना
- ② ब्रश को पानी से निकालने पर बालों का आपस में पिपक जाना।
- ③ गर्म दूध का ठंडे दूध के अपेक्षा त्वरित लगना
- ④ कपूर का पानी में नापना
- ⑤ साफ-सुथरी सूर्ति को धीरे से पानी की सतह पर रख देने से वह तैलने लगना व गंदे जल पर मिट्टी का तैल छिड़क देने से पानी का ST धट जाती है
- ⑦ धातुओं में welding ST के कारण ही संभव है।

✓
✓
NOTE:- नामावली में मट्टियों को नियंत्रित करने के लिए उसमें
"गैम्ब्रुशिया" नामक मछली छोड़ दी जाती है।

$$S.T = \frac{F}{L} \rightarrow \text{SI unit} = \frac{N}{m}$$

$$S.T = \frac{\text{पृष्ठीय ऊर्जा}}{\text{Area}} \rightarrow \text{SI unit} = \frac{\text{Jm}}{\text{m}^2} = \frac{N \cdot m}{\text{m}^2} = \frac{N}{m}$$

* असंजक बल (Cohesive force):—

↳ एक ही पदार्थ के अणुओं के बीच लगने वाला आकर्षक बल

ठोस > द्रव > गैस

* असंजक बल (Adhesive force):—

↳ दो अलग-अलग पदार्थ के अणुओं के बीच लगने वाला आकर्षक बल

उ.:- Black Board पर लिखा हुआ अक्षर वही बल के कारण फिरोई फेरा है

Note:-

संसर्गक बल $>$ असंजक बल

→ फ्रव, ठोस की दीवार को गीला नहीं करेगी

→ ठोस में उपर नव नहीं चढ़ेगा।

→ संपर्श कोण = अधिक कोण

→ नवपङ्क (meniscus) = उन्नत (convex)

उज:- पारा

* जब कोई फ्रव ठोस के संपर्क में होता है उसकी उपरी सतह प्रायः वक्र (curve) हो जाती है जिसे नवपङ्क कहते हैं।

असंज्ञक बल > ससंज्ञक बल

- द्रव, ठोस की दीवार को गीला कर देगी
उज्ज:- पानी, काँच पर फैल जाती है
- द्रव, ठोस में उपर तक चढ़ जाएगा
- संपर्श कोण = स्यूरोकोण
- गोचपङ्क = अवल (concave)